



बोडश

बिहार विधान-सभा

द्वितीय सत्र

अल्पसूचित प्रश्न

बग्न-3

प्रधान, लिखि 19 फाल्गुन, 1937 (३०)
09 मार्च, 2016 (००)

प्रश्नों की कुल संख्या-०१

(१) व्यवसंस्थाएँ लिमान	०१
कुल बोग —	<u>०१</u>

आत्मासेव विद्यालय शोला

२. अंग संवाद समाचार— उचानीय विद्ये रिकॉर्ड समाचार-पत्र में दिनांक ११ जनवरी, २०१६ के अंक में प्रकाशित शास्त्रीय “आज भवदूरों के लिये जिलों में खुलग आत्मासेव व्यापार” का अध्ययन में उल्लेख हुये जब बोर्डी, और संवादपत्र विभाग, यह प्राप्ति को बृहपा करते हैं कि—

(१) जब यह जान गयी है कि विहार में वर्ष २००१ से बाल भवदूरों का कोई गवाहण नहीं हुआ है ;

(२) इस यह जान गयी है कि इन्ह में भूल कराये जाने वाले बाल भवदूरों की अवश्यकित लिंग ऐसू गभी जिलों में आत्मासेव विद्यालय शोला जाने का विषय ; वर्ष पूर्व लिये जाने के बाबकूर आत्मासेव की विद्यालय नहीं खोला गया है ;

(३) यदि उपर्युक्त घोषों को उत्तर स्वीकारात्मक है, तो क्या सरकार विहार में आज भवदूरों का संवेदन कराने और अवश्यकित लिंग देने सभी जिलों में आत्मासेव विद्यालय शोला में का विचार रखती है, तो न तरफ़, तो, तो जाने ?

प्रत्या :

दिनांक ९ मार्च, २०१६ (५०) ।

राजीव जैसर

प्रभारी सचिव,

विहार विधान-सभा ।